085/X/SA2/13/B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

कक्षा - X

हिन्दी

(पाठ्यक्रम - ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **10** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड 'क'

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** 1x5=5

प्रार्थना तब तक ही प्रार्थना हो सकती है, जब तक इसके द्वारा कुछ माँगा न जा रहा हो, कुछ चाहत न की जा रही हो। यह प्रार्थना रास्ते में फेंके गए केले के छिलके को एक ओर करके भी की जा सकती है तथा किसी भरे हुए वाहन में बीमार वृद्ध अथवा गर्भवती महिला को अपनी सीट देकर भी की जा सकती है। यह प्रार्थना रास्ते में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाकर तथा रक्तदान करके भी की जा सकती है। सच्ची प्रार्थना के लिए किसी वाद्ययंत्र अथवा लंबे-चौड़े तामझाम की उतनी जरुरत नहीं होती जितनी जरूरत उस सच्ची भावना की है जो अकाल पीड़ित गाँव में वर्षा के लिए होने वाले यज्ञ में जा रहे एक बालक को छतरी ले जाते हुए महसूस हो रही थी। किसी ने उससे ऐसे मौसम में छतरी ले जाने की वजह पूछी। उस निश्छल पवित्र हृदय मासूम बालक ने उत्तर दिया था-''मैं वर्षा के लिए यज्ञ में भाग लेने जा रहा हूँ। आशा है कि लौटते समय इस छतरी की ज़रूतर भी पड़े'' यकीन मानिए ऐसी पवित्र प्रार्थना को ईश्वर सबसे पहले सुनते हैं। पर हममें से कितने लोग ऐसी प्रार्थना करना चाहते हैं?

(क) सच्ची प्रार्थना के लिए किसकी आवश्यकता है? 1

(1) वाद्ययंत्र की। (2) भक्तिगीत की।
(3) प्रार्थना गीत की। (4) सच्ची भावना की।

(ख) यज्ञ क्यों किया जा रहा था? 1

(1) बहुत बारिश को नियंत्रित करने के लिए
(2) बारिश के लिए प्रार्थना रूप में
(3) छतरियों की माँग बढ़ाने के लिए
(4) सूखा करने के लिए

(ग) 'लौटते समय इस छतरी की ज़रूरत पड़े।' बालक ने ऐसा क्यों कहा? 1

(1) अपनी समझदारी दिखाने के लिए
(2) क्योंकि वह अपनी राजसी छतरी दिखाना चाहता था।
(3) भीगने से लोगों को बचाने के लिए
(4) बारिश होने की आशा में

(घ) ईश्वर सबसे पहले क्या सुनते हैं? 1

(1) बालक की पुकार (2) पीछे खड़े लोगों की प्रार्थना
(3) प्रार्थना गीत (4) पवित्र प्रार्थना

(ङ) बालक के लिए किन-किन विशेषण शब्दों का प्रयोग किया गया है? 1

(1) निश्छल (2) पवित्र हृदय
(3) मासूम (4) उपर्युक्त सभी

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** 1x5=5

प्रिय गुरुजी

सभी व्यक्ति न्यायप्रिय नहीं होते और ना ही सच बोलते हैं। यह तो मेरा लड़का कभी-न-कभी सीख ही लेगा। पर उसे यह अवश्य सिखाएँ कि अगर दुनिया में बदमाश लोग होते हैं, तो अच्छे, नेक इंसान भी होते हैं। उसे यह भी सिखाएँ कि अगर दुश्मन होते हैं, तो दोस्त भी होते हैं। मुझे पता है कि इसमें समय लगेगा। परंतु हो सके तो उसे यह जरूर सिखाएँ कि मेहनत से कमाया एक पैसा भी, हराम में मिली नोटों की गड्डी से कहीं

अधिक मूल्यवान होता है। उसे हारना सिखाएँ और जीत में खुश होना भी सिखाएँ। हो सके तो उसे राग-द्वेष से दूर रखें और उसे अपनी मुसीबतों को हँसकर टालना सिखाएँ। स्कूल में उसे सिखाएँ कि नकल करके पास होने से तो फेल होना बेहतर है। चाहे सभी लोग उसे गलत कहें, परंतु वह अपने विचारों में पक्का विश्वास रखे और उन पर अडिग रहे। वह भले लोगों के साथ नेक व्यवहार करे और बदमाशों को करारा सबक सिखाए। जब सब लोग भेड़ों जैसे एक रास्ते पर चल रहे हों, तो उसमें भीड़ से अलग, अपना नया मार्ग प्रशस्त करने की हिम्मत हो। उसे सिखाएँ कि वह हर एक की बात को धैर्यपूर्वक सुने, फिर उसे सत्य की कसौटी पर कसे और केवल अच्छाई को ही ग्रहण करें। अगर हो सके तो उसे दुख में भी हँसने की सीख दें। उसे समझाएँ कि अगर रोना भी पड़े, तो उसमें कोई शर्म की बात नहीं है।

मैंने अपने पत्र में बहुत कुछ लिखा है। देखें इसमें से क्या करना संभव है। वैसे मेरा बेटा एक बहुत प्यारा और भला लड़का है।

(क) आपके विचार से यह पत्र किसने किसे लिखा है? **1**

(1) विद्यार्थी ने अपने अध्यापक को

(2) विद्यार्थियों ने पिता के अध्यापक को

(3) पिता ने अपने पुत्र के अध्यापक को

(4) चेले ने अपने गुरु जी को

(ख) पिता ने पुत्र को क्या नहीं सिखाने को कहा है : **1**

(1) सभी व्यक्ति न्यायप्रिय होते हैं।

(2) दुनिया में भले-बुरे लोग होते हैं।

(3) कुछ दुश्मन होते है तो कुछ दोस्त भी।

(4) मुसीबतों को हँसकर टालना चाहिए।

(ग) धन के बारे में क्या सिखाने को कहा गया है? **1**

(1) नोटों की गड्डियाँ मूल्यवान होती हैं।

(2) जैसे भी हो धन कमाना ज़रूरी है।

(3) परिश्रम से कमाया धन ही मूल्यवान होता है।

(4) धन को बदमाशों से बचाकर रखना चाहिए।

(घ) जब - सब लोग एक ही राह पर चल रहे हों तो : **1**

(1) हमें भी उनके पीछे चलना चाहिए।

(2) हमें सबसे आगे रहना चाहिए।

(3) हमें उनके साथ नहीं चलना चाहिए।

(4) भीड़ से अलग अपना रास्ता बनाना चाहिए।

(ङ) गद्यांश का शीर्षक हो सकता है : **1**

(1) एक पत्र   (2) एक अनुरोध

(3) मेरा बेटा   (4) परिश्रम और धन

3. **निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर दिए गए विकल्पों में से छाँटकर लिखिए।** **1x5=5**

मैं औ मेरी विहगी रानी, एक-एक तिनका लाकर,
सुखद बसेरा बना सके थे, कितने ही दिन रात लगाकर,
पर मनुष्य को बुरा लगा यह, क्यों उपवन में नीड़ बनाया,
एक सनक आई क्षणभर में, उसने मेरा महल गिराया।

तोप नहीं थी पास हमारे
हमने सब चुपचाप सह लिया,
दोनों ने आँखों-आँखों में
कहना था, चुपचाप कह लिया।

क्या मानव, क्या विहग, जगत पर है अधिकार समान सभी का
जिसमें प्यारे फूल सजाए प्रभु ने वह उद्यान सभी का।

(क) सुखद 'बसेरा' से तात्पर्य है : **1**

(1) घर (2) घोंसला (3) महल (4) झोंपड़ी

(ख) सनकी मनुष्य ने क्या किया? **1**

(1) पक्षी को भगा दिया (2) घोंसला नहीं बनाने दिया
(3) घोंसला गिरा दिया (4) उपवन में पहुँचा दिया

(ग) जगत पर किस-किस का समान अधिकार है? **1**

(1) मानव और दानव का (2) मानव और पशु-पक्षियों का
(3) केवल मनुष्यों का (4) केवल पक्षियों का

(घ) महल गिरने पर भी सब चुपचाप क्यों सहा गया? **1**

(1) लड़ने का मन नहीं था। (2) लोगों के हँसने का डर था।
(3) पहले भी हार चुके थे। (4) मनुष्य से जीतना कठिन था।

(ङ) काव्यांश का 'मैं' कौन है : **1**

(1) कवि (2) ईश्वर (3) पक्षी (4) घोंसला

4. **निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से छाँटकर लिखिए।** **1x5=5**

हम मेघ, हमें जीवन प्यारा, पर बरसा आग भी सकते हैं।
रस-गीत न तुझको भाता हो, तो प्रलय - राग गा सकते हैं।।

हम उस दधीचि के बेटे हैं,
संभव है, तुझको याद नहीं!
जिसकी हड्डी से वज्र बना,
मिलता ऐसा फौलाद कहीं?

इस धरती पर हमने अब तक प्यासा न किसी को लौटाया।
यदि रण की तृषा लिए आए, तो बुझा उसे भी सकते हैं।।

हमसे लड़ने को काल चला,
तो नभ निचोड़ गंगा लाए।
सागर गरजा तो बन अगस्त्य,
उसके ज्वारों को पी आए।।

भूचाल हमारे पैरों में, तूफ़ान बंद है मुट्ठी में।
हम शंकर हैं, प्रलयंकर बन, तांडव भी दिखला सकते हैं।

(क) काव्यांश में किसका कथन है? 1

(1) बादलों का (2) दधीचि का
(3) भारतीयों का (4) गायकों का

(ख) कवि किसे बुझाने की बात कर रहे हैं? 1

(1) घर में लगी आग को (2) युद्ध करने की प्यास को
(3) गीत सुनने की तीव्र इच्छा को (4) अगस्त्य ऋषि की प्यास को

(ग) दधीचि को क्यों याद किया गया है? 1

(1) आदर के लिए (2) बल-पराक्रम के लिए
(3) समझने के लिए (4) बलिदान के लिए

(घ) 'नभ निचोड़ गंगा लाए' कथन में किस पौराणिक पात्र की ओर संकेत है : 1

(1) अगस्त्य (2) दधीचि (3) शंकर (4) भागीरथ

(ङ) 'तांडव' क्या है? 1

(1) एक वाद्य (2) एक नृत्य
(3) एक अभिनय (4) एक गीत

खंड 'ख'

5. (i) रेशम की बनी साड़ी खरीद लो। वाक्य में रेखांकित अंश कौन-सा पदबंध है? 1

(क) संज्ञा पदबंध (ख) विशेषण पदबंध
(ग) सर्वनाम पदबंध (घ) क्रिया पदबंध

(ii) वह क्या लिख रहा है? रेखांकित शब्द का पद परिचय है : 1

(क) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ता कारक
(ख) निजवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ताकारक
(ग) सर्वनाम उत्तमपुरुष, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ताकारक
(घ) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्त्ताकारक

(iii) निम्न वाक्यों में से संज्ञा पदबंध वाला वाक्य चुनिए। 1

(क) सात बजे आने वाली गाड़ी पहुँच गई है।
(ख) सात बजे आने वाली गाड़ी पहुँच गई है।
(ग) बिना सोचे समझे तुम क्यों चले आए।
(घ) लकड़ी से बनी अलमारी बहुत सुंदर है।

(iv) खुशी आठवीं <u>कक्षा</u> में पढ़ती है। रेखांकित शब्द का पद परिचय छाँटिए। **1**

(क) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ख) जातिवाचक, संज्ञा स्त्रीलिंग, एकवचन

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

6. (i) 'जीवन की कृतार्थता यह है कि वह दृढ़ हो।' रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद है। **1**

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) संदेहवाचक वाक्य (घ) मिश्र वाक्य

(ii) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है - **1**

(क) भोर होते-होते हम यमुनानगर पहुँचे।

(ख) जैसे ही भोर हुई वैसे ही हम यमुनानगर पहुँचे।

(ग) मेरा मन है कि भोर होते ही हम यमुनानगर पहुँचे।

(घ) भोर हुई और हम यमुनानगर पहुँचे।

(iii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है - **1**

(क) जो विद्यार्थी साहसी होते हैं, वे उन्नति करते हैं।

(ख) साहसी विद्यार्थी उन्नति करते हैं।

(ग) पढ़ने के अतिरिक्त वह लिखता भी है।

(घ) सुषमा आकर चली गई।

(iv) दिए गए वाक्यों में कौन-सा वाक्य मिश्र वाक्य है? रचना के आधार पर होने वाले भेदों में नहीं आता। **1**

(क) आप वहाँ मत जाइए।

(ख) हे ईश्वर! आप मेरी विनती सुनिए।

(ग) शायद कल वर्षा हो।

(घ) जैसे ही वर्षा हुई, मैं लौट आई।

7. (i) 'परीक्षा' का संधि-विच्छेद है : **1**

(क) परी + इक्षा (ख) परि + ईक्षा

(ग) परि + इक्षा (घ) परी + ईक्षा

(ii) गुण स्वर संधि में अ/आ के बाद इ/ई आने पर परिवर्तित रूप होगा : **1**

(क) ऐ (ख) ए (ग) ऐ (घ) एय

(iii) 'श्वेतांबर' समस्त पद का विग्रह है : **1**

(क) श्वेत है जो तंबर (ख) श्वेत है जो अंबर

(ग) सफ़ेद कपड़ा (घ) श्वेत और अंबर

(iv) 'सचिव का आलय' का समस्त पद है : **1**

(क) सचीवालय (ख) सच्यालय (ग) सचिवालय (घ) सचिवआलय

8. (i) आजकल भारत की विश्व में ....है। उपर्युक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति करें। **1**

(क) तूती बोलना (ख) चाँदी तुलना

(ग) हाय-हाय मचना (घ) किस्मत चमकना

(ii) एक दिन ट्रैफिक जाम में फँसने पर मैंने यह बात ....ली कि कभी गाड़ी में पैट्रोल कम नहीं रखना चाहिए। उपर्युक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। **1**

(क) कान में डालना (ख) गाँठ बाँधना

(ग) दिमाग में रखना (घ) सामने रखना

(iii) 'नाच न जाने आँगन टेढ़ा।' का अर्थ है : **1**

(क) आँगन छोटा होना (ख) नाच-नाच कर थक जाना

(ग) अपनी कमी दोष दूसरों पर (घ) अपनी बड़ाई करना

(iv) निराश व्यक्ति को __________ भी महान व नेक काम लगता है। उपर्युक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति करें। **1**

(क) एक समान मानना (ख) छोटे मुँह बड़ी बात

(ग) नतमस्तक होना (घ) ढाढ़स बँधाना

9. (i) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है - **1**

(क) आप घर चले जाओ। (ख) मेरे माता जी आए हैं।

(ग) शरीर के कई अंग होते हैं। (घ) पिताजी वापस लौट आए हैं।

(ii) निम्नलिखित में अशुद्ध वाक्य है - **1**

(क) तमाम देशभर में बात फैल गई।

(ख) उनका बहुत सम्मान हुआ।

(ग) यहाँ सब कुशली हैं।

(घ) मुझे मात्र दस रुपए चाहिए।

(iii) निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य है - **1**

(क) मेरी आशा है। (ख) जैसी करनी वैसी भरनी।

(ग) पेड़ में पत्ते गिर रहे हैं। (घ) उन्हीं को क्या चाहिए।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में अशुद्ध वाक्य है - **1**

(क) बेफ़जूल बात मत करो। (ख) फ़जूल बात मत करो।

(ग) बात मत करो। (घ) बेकार की बात मत करो।

खंड 'ग'

10. काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए। **1x5=5**

रहो न भूल के कभी मदांध तुच्छ वित्त में,
सनाथ जान आपको करो न गर्व चित्त में।
अनाथ कौन है यहाँ? त्रिलोकनाथ साथ हैं,
दयालु दीनबंधु के बड़े विशाल हाथ हैं।
अतीव भाग्यहीन है अधीर भाव जो करे,
वही मनुष्य है जो मनुष्य के लिए मरे।।

(1) मनुष्य को किसका घमंड भूलकर भी नहीं करना चाहिए?
(क) धन-दौलत (ख) गरीबी (ग) शक्ति (घ) अमीरी

(2) कवि के अनुसार कोई अनाथ क्यों नहीं है?
(क) सबके साथ उनका नाम है। (ख) सबके साथ उनकी जाति है।
(ग) सबके साथ ईश्वर हैं। (घ) सबके साथ रिश्तेदार हैं।

(3) कविता के अनुसार किसके हाथ विशाल हैं?
(क) अकेले मनुष्य के (ख) मदांध व्यक्ति के
(ग) दयालु दीनबंधु के (घ) धनी व्यक्ति के

(4) कविता के अनुसार भाग्यहीन कौन है?
(क) दयालु व्यक्ति (ख) परोपकारी व्यक्ति
(ग) झगड़ालू स्वभाव वाला व्यक्ति (घ) अधीर व्यक्ति

(5) सच्चा मनुष्य कौन है?
(क) जो सच बोलता है। (ख) जो परोपकारी है।
(ग) जो शाकाहारी भोजन करता है। (घ) जो दूसरों का धन अपना बनाना जानता है।

अथवा

सारे शीतल कोमल नूतन,
माँग रहे तुझसे ज्वाला - कण
विश्व-शलभ सिर धुन कहता 'मैं
हाय न जल पाया तुझ में मिल'!
सिहर सिहर मेरे दीपक जल!

(1) प्रस्तुत काव्यांश की रचना की है :
(क) रवींद्रनाथ टैगोर (ख) महादेवी वर्मा
(ग) बिहारी (घ) कैफी आज़मी

(2) सारे शीतल कोमल नूतन किससे ज्वाला माँग रहे हैं?
(क) सूर्य से (ख) चाँद से (ग) दीपक से (घ) शलभ से

(3) 'शलभ' शब्द का अर्थ है :

(क) पतंगा (ख) कीड़े-मकौड़े (ग) पतंग (घ) सुलभ

(4) 'सिहर-सिहर' शब्द में कौन-सा अलंकार है ?

(क) पुनरावृत्ति (ख) श्लेष (ग) उपमा (घ) अनुप्रास

(5) 'जल' शब्द का अर्थ काव्यांश में है :

(क) गंगाजल (ख) नल का जल (ग) कुएँ का जल (घ) जलना

11. निम्न प्रश्नों में से **किन्हीं दो** के उत्तर संक्षेप में दीजिए - **2x2.5=5**

(क) ओचुमेलॉव ने जनरल साहब के पास यह संदेश क्यों भिजवाया होगा कि 'उनसे कहना कि यह मुझे मिला और मैंने इसे वापस उनके पास भेजा है ?

(ख) सवार के जाने के बाद कर्नल हक्का-बक्का क्यों रह गया ?

(ग) चाजीन ने कौन-सी क्रियाएँ गरिमापूर्ण ढंग से पूरी कीं ?

(घ) लेखक की माँ ने पूरे दिन का रोज़ा क्यों रखा ?

12. निदा फ़ाज़ली द्वारा रचित पाठ का संदेश अपने शब्दों में लिखिए। **5**

अथवा

किसी कील-वील से उँगली छील ली होगी-ऐसा ओचुमेलॉव ने क्यों कहा ?

13. निम्नलिखित गद्यांश में से **किसी एक** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अक्सर हम या तो गुज़रे हुए दिनों की खट्‌टी-मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्यकाल में। असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चला गया, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था और वह अनंतकाल जितना विस्तृत था। जीना किसे कहते हैं, उस दिन मालूम हुआ।

(क) दोनों कालों को मिथ्या क्यों कहा गया है ? **2**

(ख) हम वर्तमान में क्यों नहीं जी पाते ? **2**

(ग) जीना वास्तव में किसे कहते हैं ? **1**

अथवा

कर्नल : जंगल की ज़िंदगी बड़ी खतरनाक होती है ?

लेफ़्टिनेंट : हफ़्तों हो गए यहाँ खेमा डाले हुए। सिपाही भी तंग आ गए हैं। ये वज़ीर अली आदमी है या भूत, हाथ ही नहीं लगता।

कर्नल : उसके अफ़साने सुन के रॉबिनहुड के कारनामे याद आ जाते हैं। अंग्रेजों के खिलाफ़ उसके दिल में किस कदर नफ़रत है। कोई पाँच महीने हुकूमत की होगी। मगर इस पाँच महीने में वो अवध के दरबार को अंग्रेज़ी असर से बिल्कुल पाक कर देने में तकरीबन कामयाब हो गया था।

(क) अंग्रेज़ जंगल में डेरा क्यों डाले हुए थे ? **2**

(ख) सिपाही तंग क्यों आ गए थे ? **2**

(ग) किसके दिल में अंग्रेज़ों के खिलाफ़ गहरी नफ़रत भरी हुई थी ? **1**

14. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) 'आत्मत्राण' कविता में कवि अंत में क्या प्रार्थना करता है? 2

(ख) छाया भी कब छाया ढूँढने लगती है? 1

(ग) 'मनुष्यता' कविता में वर्णित मुख्य नैतिक गुण क्या हैं? 2

15. टोपी और इफ़्फ़न की दादी अलग-अलग मज़हब और जाति के थे, पर एक अनजान अटूट रिश्ते से बंधे थे। - इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए। 3

अथवा

एक ही कक्षा में दो बार बैठने से टोपी को किन भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

16. स्कूल अध्यापक बनने के बाद लेखक को क्या अनुभव हुआ? 'सपनों से दिन' पाठ के आधार पर बताएँ। 2

खंड 'घ'

17. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

(क) राष्ट्रध्वज

गौरव का प्रतीक ..... रंगरूप ..... उत्साह और शौर्य की प्रेरणा ..... सम्मान करना सबका कर्त्तव्य।

(ख) हमको हैं प्यारे राष्ट्रपति हमारे

संकेत बिंदु - राष्ट्रपति का नाम ..... स्वभाव ..... आदर्श और प्रेरक जीवन।

(ग) दया धर्म का मूल है।

संकेत बिंदु - दया का अर्थ ..... मानवीय गुण ..... हर धर्म में दया और करूणा पर बल .....

18. अपने क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय खोलने की प्रार्थना करते हुए शिक्षा-विभाग के सचिव को पत्र लिखिए। 5

अथवा

दूरदर्शन के निदेशक को पत्र लिखकर साहित्यिक कृतियों पर बने धारावाहिक प्रसारित करने के लिए निवेदन कीजिए।

- o O o -